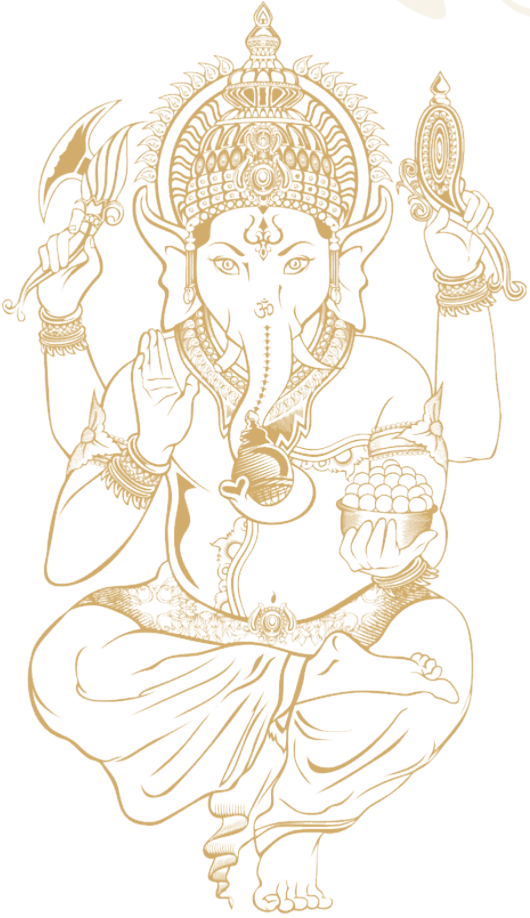

6

09 Apr 1990

09:45 AM

Pithoragarh

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/04/1990**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:45:00 घंटे**
इष्ट	09:46:37 घटी
स्थान	**Pithoragarh**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:35:00 उत्तर
रेखांश	80:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:35:48 घंटे
वेलान्तर	-00:01:42 घंटे
साम्पातिक काल	22:44:24 घंटे
सूर्योदय	05:50:21 घंटे
सूर्यास्त	18:31:57 घंटे
दिनमान	12:41:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	25:20:00 मीन
लग्न के अंश	01:58:04 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ध्रुव
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ष-षडबली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

राजेश जोशी

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	01:58:04	338:16:04	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	---
सूर्य			मीन	25:20:00	00:58:56	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	14:39:28	12:08:39	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मक	27:29:35	00:44:49	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	उच्च राशि
बुध			मेष	13:53:10	01:22:38	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	09:58:59	00:07:33	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	09:09:40	01:02:24	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मक	01:04:25	00:02:29	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	स्वराशि
राहु	व		मक	19:32:18	00:03:11	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	19:32:18	00:03:11	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			धनु	15:51:19	00:00:15	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
नेप			धनु	20:50:07	00:00:15	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	23:25:18	00:01:25	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	15:48:55	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:28

लग्न-चलित

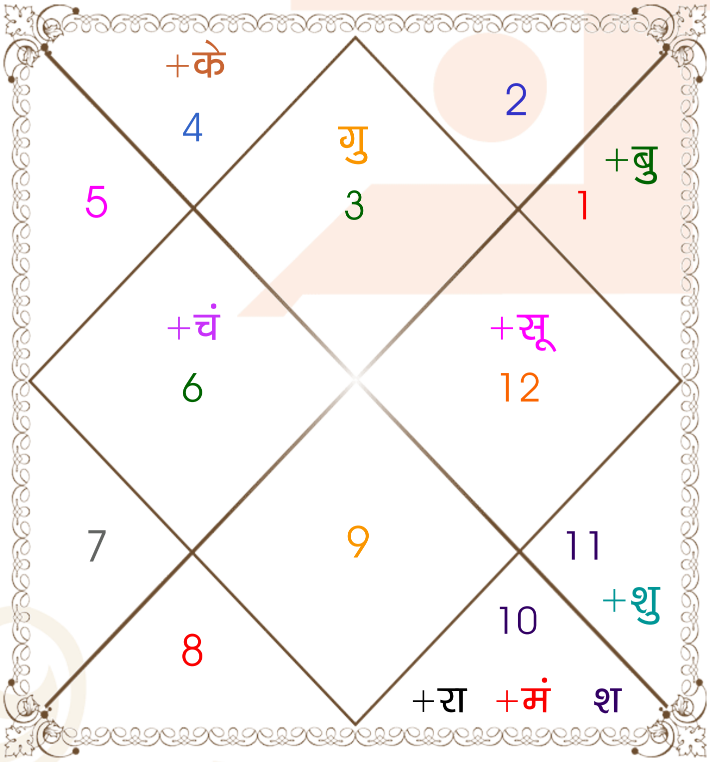

चन्द्र कुंडली

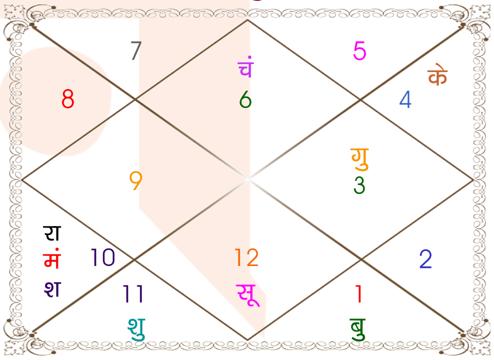

नवमांश कुंडली

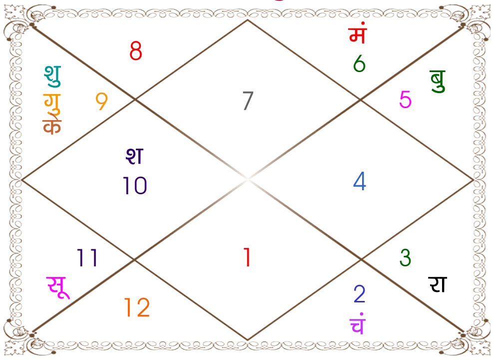

राजेश जोशी

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 6 मास 2 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
09/04/1990	**10/10/1996**	**11/10/2003**	**11/10/2021**	**11/10/2037**
10/10/1996	**11/10/2003**	**11/10/2021**	**11/10/2037**	**10/10/2056**
00/00/0000	मंगल 09/03/1997	राहु 23/06/2006	गुरु 29/11/2023	शनि 13/10/2040
00/00/0000	राहु 27/03/1998	गुरु 16/11/2008	शनि 11/06/2026	बुध 24/06/2043
09/04/1990	गुरु 03/03/1999	शनि 23/09/2011	बुध 16/09/2028	केतु 01/08/2044
गुरु 10/01/1991	शनि 11/04/2000	बुध 11/04/2014	केतु 23/08/2029	शुक्र 02/10/2047
शनि 11/08/1992	बुध 08/04/2001	केतु 30/04/2015	शुक्र 23/04/2032	सूर्य 13/09/2048
बुध 10/01/1994	केतु 04/09/2001	शुक्र 30/04/2018	सूर्य 09/02/2033	चंद्र 14/04/2050
केतु 11/08/1994	शुक्र 04/11/2002	सूर्य 24/03/2019	चंद्र 11/06/2034	मंगल 24/05/2051
शुक्र 11/04/1996	सूर्य 12/03/2003	चंद्र 22/09/2020	मंगल 18/05/2035	राहु 30/03/2054
सूर्य 10/10/1996	चंद्र 11/10/2003	मंगल 11/10/2021	राहु 11/10/2037	गुरु 10/10/2056

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
10/10/2056	**11/10/2073**	**10/10/2080**	**11/10/2100**	**12/10/2106**
11/10/2073	**10/10/2080**	**11/10/2100**	**12/10/2106**	**00/00/0000**
बुध 09/03/2059	केतु 09/03/2074	शुक्र 10/02/2084	सूर्य 29/01/2101	चंद्र 12/08/2107
केतु 05/03/2060	शुक्र 09/05/2075	सूर्य 09/02/2085	चंद्र 31/07/2101	मंगल 12/03/2108
शुक्र 04/01/2063	सूर्य 14/09/2075	चंद्र 11/10/2086	मंगल 05/12/2101	राहु 11/09/2109
सूर्य 11/11/2063	चंद्र 14/04/2076	मंगल 11/12/2087	राहु 30/10/2102	गुरु 10/04/2110
चंद्र 11/04/2065	मंगल 10/09/2076	राहु 11/12/2090	गुरु 18/08/2103	00/00/0000
मंगल 08/04/2066	राहु 29/09/2077	गुरु 11/08/2093	शनि 30/07/2104	00/00/0000
राहु 26/10/2068	गुरु 04/09/2078	शनि 10/10/2096	बुध 06/06/2105	00/00/0000
गुरु 01/02/2071	शनि 14/10/2079	बुध 11/08/2099	केतु 12/10/2105	00/00/0000
शनि 11/10/2073	बुध 10/10/2080	केतु 11/10/2100	शुक्र 12/10/2106	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 6 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।